

वचन

सामान्यतः वचन शब्द का प्रयोग किसी के द्वारा कहे गये कथन अथवा दिये गये आश्वासन के अर्थ में किया जाता है , किन्तु व्याकरण में वचन का अर्थ संख्या से लिया जाता है ।

वह , जिसके द्वारा किसी **विकारी शब्द** की संख्या का बोध होता है , उसे वचन कहते हैं । प्रकार : वचन दो प्रकार के होते हैं ।

(i) एक वचन

(ii) बहुवचन

(i) एकवचन : विकारी पद के जिस रूप से किसी एक संख्या का बोध होता है , उसे एकवचन कहते हैं । जैसे भरत , लड़का , मेरा , काला , जाता है आदि हिन्दी में निम्न शब्द सदैव एक वचन में ही प्रयुक्त होते हैं ।

सोना , चाँदी , लोहा , स्टील , पानी , दूध , जनता , आग , आकाश , घी , सत्य , झूठ , मिठास , प्रेम , मोह , सामान , ताश , सहायता , तेल , वर्षा , जल , क्रोध , क्षमा ।

(ii) बहुवचन : विकारी पद के जिस रूप से किसी की एक से अधिक संख्या का बोध होता है , उसे बहुवचन कहते हैं । | जैसे लड़के , मेरे , काले , जाते हैं । हिन्दी में निम्न शब्द सदैव बहुवचन में ही प्रयुक्त होते हैं

यथा - आँसू , होश , दर्शन , हस्ताक्षर , प्राण , भाग्य , आदरणीय , व्यक्ति हेतु प्रयुक्त शब्द आप , दाम , समाचार , बाज , लोग , होश , हाल - चाल ।

✳ वचन परिवर्तन

हिन्दी व्याकरणानुसार एक वचन शब्दों को बहुचन में परिवर्तित करने हेतु कतिपय नियमों का उपयोग किया जाता है। यथा -

✳ 1. शब्दांत ' आ ' को ' ए ' में बदलकर

कमरा - कमरे

लड़का - लड़के

बस्ता - बस्ते

बेटा - बेटे

पपीता - पपीते

रसगुल्ला - रसगुल्ले

✳ 2. शब्दान्त ' अ ' को ' एँ ' में बदलकर

पुस्तक - पुस्तकें

दाल - दालें

राह - राहें

दीवार - दीवारें

सड़क - सड़कें

कलम - कलमें

✳ 3. शब्दान्त में आये ' आ ' के साथ 'एँ ' जोड़कर

बाला - बालाएँ

कविता - कविताएँ

कथा - कथाएँ

★ 4. ' ई ' वाले शब्दों के अन्त में ' इयाँ ' लगाकर

दवाई - दवाईयाँ

लड़की लड़कियाँ

साड़ी साड़ियाँ

नदी - नदियाँ

खिड़की - खिड़कियाँ

स्त्री - स्त्रियाँ

★ 5. स्त्रीलिंग शब्द के अन्त में आए ' या ' को ' याँ ' में बदलाए

चिड़िया - चिड़ियाँ

डिबिया - डिबियाँ

गुड़िया - गुड़ियाँ

★ 6. स्त्रीलिंग शब्द के अन्त में आए ' उ ' , ' ऊ ' के साथ ' ऐँ ' लगाकर

वधू - वधुऐँ

वस्तु वस्तुऐँ

बहू बहूऐँ

★ 7.इ , ई स्वरान्त वाले शब्दों के साथ ' यों' लगाकर तथा ' ई ' की मात्रा को ' इ ' में बदलकर

जाति - जातियों

रोटी - रोटियों

अधिकारी - अधिकारियों

लाठी - लाठियों

नदी - नदियों

गाड़ी - गाड़ियों

★ 8. एकवचन शब्द के साथ , जन , गण , वर्ग , वृन्द , हर , मण्डल , परिषद् आदि लगाकर

गुरु - गुरुजन

अध्यापक - अध्यापकगण

लेखक - लेखकवृन्द

युवा - युवावर्ग

भक्त - भक्तजन

खेती - खेतिहर

मंत्री - मन्त्रि मण्डल

✽ विशेष :

- 1.सम्बोधन शब्दों में ' ओं ' न लगाकर ' ओ ' की मात्रा ही लगानी चाहिए यथा - भाइयो ! बहनो ! मित्रो ! बच्चो ! साथियो ।
 - 2 . पारिवारिक सम्बन्धों के वाचक आकारान्त देशज शब्द भी बहुवचन में प्रायः यथावत् ही रहते हैं । जैसे चाचा (न कि चाचे) माता , दादा बाबा , किन्तु भानजा , व भतीजा व साला से भानजे , भतीजे व साले शब्द बनते हैं ।
 - 3.विभक्ति रहित आकारान्त से भिन्न पुल्लिंग शब्द कभी भी परिवर्तित नहीं होते । जैसे - बालक , फूल , अतिथि , हाथी , व्यक्ति , कवि , आदमी , संन्यासी , साधु , पशु , जन्तु , डाकू ,उल्लू , लड्डू , रेडियो , फोटो , मोर , शेर , पति , साथी , मोती , गुरु , शत्रु , भालू , आलू , चाकू
 4. विदेशी शब्दों के हिन्दी में बहुवचन हिन्दी भाषा के व्याकरण के अनुसार बनाए जाने चाहिए । जैसे स्कूल से स्कूलें न कि स्कूल्स , कागज से कागजों न कि कागजात ।
 5. भगवान के लिए या निकटता सूचित करने के लिए ' तू ' का प्रयोग किया जाता है । जैसे हे ईश्वर ! तू बड़ा दयालु है ।
 - 6 . निम्न शब्द सदैव एक वचन में ही प्रयुक्त होते हैं । जैसे - जनता , वर्षा , हवा , आग ।
- नोट : यह पीडीऍफ़ विभिन्न स्रोतों से तथ्य एकत्रित कर बनायीं गयी है | यदि इसमें कोई त्रुटि पायी जाती है तो नॉलेज हब संचालक की जिम्मेदारी नहीं होगी |

Join Telegram Channel

Like Facebook Page

WWW.KNOWLEDGEKAHUB.COM

